



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 12, 1996/कार्तिक 21, 1918

No. 197] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 12, 1996/KARTIKA 21, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1996

अन्तिम निष्कर्ष

विषय: चीन जनवादी गणराज्य मूसे के अथवा वहां से निर्यातित डेड अन्ट मैग्नेसाइट (डीबीएम) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—अन्तिम निष्कर्ष।

7/2/94-ए.डी.डी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति का निवारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

प्रिया विधि

2. निम्नलिखित प्रिया विधि अपनाई गई है:

(1) निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद इन्हे प्राधिकारी कहा जाएगा) ने दिनांक 10 जून, 1996 को अधिसूचना सं. 7/2/94-ए.डी.डी. द्वारा प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा इच्छुक पार्टियों से अनुरोध किया कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।

(2) प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजने समय सभी ज्ञात इच्छुक पार्टियों को पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर प्रारम्भिक निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।

(3) प्राधिकारी ने नई दिल्ली में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को भी प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि चीन जनवादी गणराज्य में निर्यातक तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रारम्भिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सलाह किया जाए।

(4) उपर्युक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/प्राधारों की जानकारी ज्ञात सभी इच्छुक पार्टियों को दी गई तथा उन पर टिप्पणियां मांगी गईं, जिन पर विधिवत विचार भी कर लिया गया है।

याचिकाकर्ता के विचार

3. प्रारम्भिक निष्कर्षों के उत्तर में याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

(क) याचिकाकर्ता ने 5800/- रु. प्रति मी. टन की दर से पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया था जिसके स्थान पर प्राधिकारी ने केवल 1333/- रु. से 1925/- रु. के बीच अन्तिम शुल्क लगाने की सिफारिश की।

(ख) प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि 92 प्रतिशत से अधिक एम जी ओ ग्रंथ वाले डी बी एम की उतराई कीमत संबंधित डी बी एम ग्रेड की उतराई कीमत से कम नहीं है। एक ऐसी न्यूनतम कीमत तय की जाए जिससे कम कीमत पर चीन की किसी भी किस्म की डी बी एम की भारत में आयात करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

(ग) निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश के लिए सीमाशुल्क की कटौती पर विचार किया जाना चाहिए।

नियतियों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों के विचार

4. आयातकों और नियतियों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षिप्त व्योरा नीचे दिया गया है :—

(क) “सामान वस्तु” के बारे में :

1. याधिकाकर्ता उत्पाद का स्पष्ट व्योरा देने में असफल रहा है।
2. सामान वस्तु के बारे में प्राथमिक निष्कर्ष के पैरा 11 में प्राधिकारी द्वारा दिया गया निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण है।
3. डी बी एम एक जातिगत शब्द है और इसकी कई किस्में हैं, प्रत्येक का एक विशेष उद्देश्य होता है और उनका आपस में परिवर्तन नहीं होता।
4. 85-89 प्रतिशत एम जी ओ ग्रंथ वाले डी बी एम का आयात आई आर एम ए के संस्थाओं द्वारा नहीं किया जाता है।
5. केवल एम जी ओ तत्व के संदर्भ में डी बी एम का वर्गीकरण है, अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों जैसे सिलिका तत्व और बल्क डेंसिटी पर भी विचार किया जाना चाहिए। इस बात को और 4 प्रतिशत से कम सिलिका तत्व वाले डी बी एम की गैर-उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने इसका आयात रियायती शुल्क-दर पर करने की पहले अनुमति दी थी।
6. भारत में उत्पादित डी बी एम में जी ओ का ग्रंथ 85-90 प्रतिशत होता है जो अत्यधिक अशुद्ध होता है। इस्पात और अन्य उद्योगों में प्रोद्योगिकीय परिवर्तन के लिए 90 प्रतिशत से अधिक एम जी ओ ग्रंथ वाले डी बी एम की जरूरत पड़ती है जिसमें अशुद्धता बहुत कम हो।
7. भारत में 90-92 प्रतिशत एम जी ओ तत्व और 4 प्रतिशत से कम सिलिका तत्व वाले डी बी एम का उत्पादन नहीं किया जाता है। चीन जनवादी गणराज्य से आयातित उत्पाद और भारत में उत्पादित उत्पाद एक समान नहीं हैं। 90-92 प्रतिशत एम जी ओ तत्व वाले डी बी एम पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

(ख) सामान्य कीमत पर :

1. 90 प्रतिशत एम जी ओ तत्व वाले डी बी एम की सामान्य कीमत चीन जनवादी गणराज्य में प्रचलित घरेलू मूल्य के आधार पर 426.67 आर एम बी प्रति मी. टन (अथवा 40.64 अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन) थी। यह कीमत भारत को किए जाने वाले नियतियों के एक ओ बी टी (पोर्ट पर्यन्त निशुल्क स्थानांतरण) मूल्य के अनुरूप है और इस बात का सबूत चीन जनवादी गणराज्य में तैयार किए गए एक बीजरु से मिलता है।

2. खनिज संसाधन कम्पनी लि. से प्राप्त फैंस संदेश से स्पष्ट होता है कि वर्ष 1993-94 के दौरान चीन में सामान्य कीमत, 79-88 अमरीकी डॉलर के बीच भारत को होने वाले नियति मूल्य की तुलना में 81 अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन थी।

3. चीन जनवादी गणराज्य से मिश्र (जो डी बी एम का उत्पादक देश नहीं है) को होने वाले नियतियों के मूल्यों का भी वही स्तर था अथवा भारत को होने वाले नियति के मूल्य की तुलना में कम था।

4. चीन जनवादी गणराज्य के लिए उत्पादन लागत का हिसाब निम्नलिखित कारणों की वजह से किसी अन्य प्रतिनिधि देश में नहीं लगाया जा सकता है :

- (1) मैंगनेसाइट भण्डार के स्वरूप, हटाए जाने वाले अतिभार की मात्रा, भूतल की समीपता, उत्पादन के मापक और बाजार की भिन्नता के कारण तथा भारत और चीन में अन्य प्रचलित लागत पहलुओं की वजह से भारत को सामान्य मूल्य निकालने के लिए संदर्भ देश नहीं माना जा सकता है। चीन जनवादी गणराज्य की तुलना में भारत को 240-300 प्रतिशत नुकसान का आंकलन किया गया है।
- (2) विनिर्माण की प्रक्रिया भारत में और चीन में अलग-अलग है।
- (3) चीन जनवादी गणराज्य में अतिभार का अनुपात भारत के 1:89 की तुलना में लगभग 1:2.5 है।
- (4) चीन जनवादी गणराज्य में प्रति व्यक्ति उत्पादन भारत (12 मी. टन) की तुलना में बहुत अधिक (212.5 मी. टन) है।

ग. नियति मूल्य पर

समुझी भाड़ा घटाकर सी आई एक नियति मूल्य से एक ओ बी नियति मूल्य निकालना ठीक नहीं है क्योंकि दोनों के आधार और सिद्धान्त भिन्न-भिन्न हैं। इसके अलावा, चीन जनवादी गणराज्य से कारखानागत नियति मूल्य निकालना और भी गलत है।

घ. क्षति पर

घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचाने के बारे में प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं:

- (1) याचिकाकर्ता ने संदर्भित डीबी एम ग्रेड का उत्पादन नहीं बताया है। याचिकाकर्ता को हुई हानि के बारे में तब तक टिप्पणी करना कठिन है जब तक कि उत्पादन के आंकड़ों की जानकारी नहीं दी जाती है।
- (2) याचिकाकर्ता अपने सदस्यों की ग्रेड-वार क्षमता बतलाने में असफल रहा है।
- (3) इस्पात उद्योग में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के कारण 90% से कम एम जी ओ तत्व वाले डीबी एम की मांग घट रही है।

ड. कार्य-करण संबंध के बारे में

निम्नलिखित कारणों से चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयात और घरेलू उद्योग को हुए नुकसान के बीच कोई कार्य-करण संबंध नहीं है:

- (1) चीन जनवादी गणराज्य से जिस डी बी एम का आयात किया जाता है उसमें 90% अथवा इससे अधिक एम जी ओ तत्व होता है। और इसलिए यह 85—89% एम जी ओ तत्व वाले डी बी एम का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को प्रभावित नहीं कर सकता है।
- (2) देश में 90—92% एम जी ओ तत्व वाले डी बी एम का उत्पादन नगण्य है।
- (3) घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन में कमी का कारण इस्पात उद्योग में मदी और खानों में श्रमिकों की समस्या थी।

च. अन्य मसलों पर

- (1) चूंकि देश में 90% और इससे अधिक एम जी ओ तत्व वाला डी बी एम उपलब्ध नहीं है इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोक्ता उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- (2) पाटनरोधी शुल्क लगाना सरकार की उदारीकरण नीति को ध्यान में रखते हुए उचित नहीं है।
- (3) डी बी एम का आयात घरेलू आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए किया जा रहा है क्योंकि स्वदेशी संसाधनों से मांग की मात्रा की पूर्ति नहीं हो सकी है।
- (4) सभी भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई, 96 माह में कीमतें लगभग 1000 रुपये प्रति मी. टन तक बढ़ा दी है।
- (5) यद्यपि जिस उत्पाद की जांच चल रही है, वह 85—92% के बीच एम जी ओ तत्व वाले डी बी

एम से संबंधित है, तथापि, भारत सरकार ने सभी किस्म के डी बी एम पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है जिसे बाद में केवल 85—92% के बीच एम जी ओ तत्व वाले डी बी एम को कवर करते हुए संशोधित किया गया।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6. इन निष्कर्षों पर पहुंचते समय प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता और आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की तथा उन पर विचार किया और जहां उभयपक्ष समझा गया, वहां इसके बाद कार्रवाई की गई।

7. प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि यह चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों से निर्धारित फार्म तथा तरीके से कोई सीधा उत्तर न मिलने के कारण उक्त नियम 6(8) के अनुसार उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन निष्कर्षों पर पहुंचा है।

समान वस्तुएं तथा घरेलू उद्योग

नियम 2(घ) के तहत “समान वस्तु” का मतलब उस वस्तु से है जो भारत में डम्प की गई वस्तु से हर मामले में एक जैसी हो अथवा उसी के समान हो, अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु जो हर मामले में वैसी न हो लेकिन उन वस्तुओं की विशेषता लिए हुए हो जिन वस्तुओं की जांच की जा रही है।

विचाराधीन उत्पाद जिसकी डम्पिंग के लिए जांच की जा रही है, उसे प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा में परिभाषित किया गया है। निर्यातकों/आयातकों ने इस आशय की टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल समान वस्तुएं नहीं हैं क्योंकि इस जांच के प्रयोजन के लिए “समान वस्तु” के क्षेत्र को निर्धारित करते समय प्राधिकारी ने सिलिका तत्व, बल्क घनत्व आदि पर विचार नहीं किया है।

सीमा रिमोनिज ने चीन जनवादी गणराज्य मूल की वस्तुओं का केवल वाहतान्तरण किया है और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश अर्थात् चीन जनवादी गणराज्य के संदर्भ में, धारा 9ए की उप-धारा 1(सी) के अनुसार किया जाना है। इसने अपने प्राधिकृत एजेंट मॅसर्स मॅगस मार्केटिंग प्राइवेट लि. कलकत्ता के माध्यम से एक मूल्य संविदा की प्रति (चीनी भाषा में) प्रस्तुत की है। प्राधिकारी का यह विचार है कि उक्त निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किया गया बीजक बिल्कुल ही बयोरैबर नहीं है और इससे ऐसा कोई भी संकेत नहीं मिलता है कि जिससे प्राधिकारी धारा (सी) (1) के अनुसार व्यापार के सामान्य क्रम में तुलनात्मक कीमत तय कर सके। इसके साथ-साथ चीन जनवादी गणराज्य में गैर-वाणिज्यी अर्थ-व्यवस्था होने के कारण वहां की विशेष बाजार परिस्थिति को देखते हुए और संबंधित सूचना उपलब्ध न होने की वजह से सामान्य मूल्य

के निर्धारण के लिए प्राधिकारी के पास धारा 9ए के खण्ड (ग) (2) का सहारा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

धारा 9ए (1) के खण्ड (ग) (2) के अन्तर्गत प्राधिकारी को उप-धारा (2) (क) या (2) (ख) का सहारा लेने का स्पष्ट विकल्प होता है। सीमा रिसोर्सिज ने मिस्र को डी बी एम की आपूर्ति के लिए अपने प्रारूप बीजक की प्रति भेजी है। उप खण्ड (2) के अन्तर्गत सामान्य कीमत के निर्धारण के लिए प्राधिकारी को कोई भी और सूचना या प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया गया है। प्राधिकारी का यह विचार है कि एकमात्र प्रयत्न बीजक को समान वस्तु का न तुलनात्मक मूल्य और न ही प्रतिनिधि मूल्य माना जा सकता है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी यह उपयुक्त समझते हैं कि उपयुक्त समायोजनों के साथ उत्पादन की लागत के आधार पर उप-खण्ड (2) (ख) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाए।

प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निर्धारण के बाद दो याचिकाकर्ता कम्पनियों के परिसरों में लागत जांच की ओर इकट्ठे किए गए तथ्यों के आधार पर सामान्य कीमत का पुनर्निर्धारण किया गया है। तथापि, सामान्य मूल्य की राशि का निर्धारण जो कि गोपनीय सूचना पर आधारित है, को इन परिणामों में प्रकट नहीं किया गया है।

उपयुक्त विस्तृत विवरण के अतिरिक्त प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य से संबंधित ग्रेड वाले डी बी एम के सामान्य मूल्य के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा 16 से 19 की पुष्टि करते हैं।

निर्यात कीमत

सीमा रिसोर्सिज ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित फार्म और तरीके से उत्तर दिया। इसलिए, प्राधिकारी ने सीमा रिसोर्सिज द्वारा दिए गए विस्तृत विवरणों के आधार पर उसकी कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। चूंकि निर्यातक ने अपनी खरीद कीमत किसी बतलाई है इसलिए उसको बंदरगाह तक किए गए खर्च के रूप में और लियों सूचना के अभाव में इसे कारखानागत माना गया है।

सीमा रिसोर्सिज को छोड़कर अन्य कोई भी निर्यातक कारखानागत निर्यात कीमत प्रस्तुत नहीं कर सका है और निर्यातकों से किसी भी सहयोग के अभाव में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कारखानागत प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं में वे विशेषताएं हैं जो जांच की जा रही वस्तुओं में हैं। इसलिए नियम 2(घ) में दी गई परिभाषा में निर्धारित मानदण्ड पर्याप्त रूप से संतोषजनक है। यह अचरी नहीं है कि जिस उत्पाद की जांच की जा रही है उसमें सभी विशेषताएं गुण अथवा तरह मौजूद हो खासकर इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि चीन जनवादी गणराज्य से आयातित वस्तुओं ने घरेलू उद्योग-वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों प्रकार से उत्पादित वस्तुओं का स्थान लिया है।

इसलिए प्राधिकारी समान वस्तुओं की परिभाषा से संबंधित प्रारम्भिक निष्कर्ष के पैरा 9—13 की पुष्टि करता है और इस बात की भी पुष्टि करता है कि चीन जनवादी गणराज्य मूल का अथवा वहां से भारत की निर्यातित डी बी एम ग्रेड और घरेलू उद्योग द्वारा आयातित डी बी एम उपरोक्त नियम के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

सामान्य मूल्य

धारा 9ए(1)(सी) के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (1) व्यापार के सामान्य क्रम में, समान वस्तु जब निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के उद्देश्य से है तो उसके लिये तुलनात्मक कीमत उप-धारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित की जाती है; या
- (2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान मिलती-जुलती वस्तु की बिक्री नहीं है, या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं हो सकती है, तब सामान्य मूल्य निम्नांकित दोनों में से एक होगा—
- (क) समान वस्तु की तुलनात्मक प्रतिनिधि कीमत जबकि इसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र या एक उपयुक्त तीसरे देश से किया जाता है, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अनुसार किया जाता है; अथवा
- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत तथा उसमें प्रशासनात्मक, बिक्री संबंधी और सामान्य लागतों तथा लाभों के लिये उचित कीमत जोड़ी जाती है, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है।

लेकिन शर्त यह है कि उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां वस्तु को सिर्फ निर्यातक देश से होकर बाह्यनान्तरित किया गया या ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित नहीं की जाती है या निर्यातक देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संबंध में किया जायेगा।

प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धारा के संबंध में सामान्य कीमत के निर्धारण के उद्देश्य से सभी जात निर्यातकों की निर्यातक संबंधी प्रश्नावलियां भेजी थीं। लेकिन प्राधिकारी ने नोट किया है कि चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और निर्धारित रूप और तरीके से कोई

भी सूचना नहीं भेजी है। चीन से किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा मत्यापन के लिये अपने को प्रस्तुत नहीं किया है।

जर्मनी के निर्यातक मैसर्स मोमा रिसोसिज गम्भ (जिसका उल्लेख इसके बाद सीमा रिसोसिज के रूप में किया जायेगा) ने निर्धारित रूप और तरीके में प्राधिकारी को सम्बद्ध सूचना प्रस्तुत की है। निर्यात कीमत का निर्धारण एफ ओ बी और सी आई एफ वरों के अंतर के आधार पर किया जायेगा जैसा कि मैसर्स बर्न स्टैड्ड कम्पनी नामक एक आयातक ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धान्त के अनुसार प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य में अंतर्देशीय भाड़े के किसी प्रमाण के अभाव में एफ ओ बी निर्यात कीमत को कारखानागत निर्यात कीमत माना है।

11. प्राधिकारी, पूर्ववर्ती विस्तृत विवरण के अतिरिक्त चीन जनवादी गणराज्य में संबंधित ग्रेड के डी बी एम की निर्यात कीमत के संबंध में प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 20 से 24 की पुष्टि करते हैं।

तुलना

13. प्राधिकारी, निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना में के बारे में प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 25 से 26 की पुष्टि करते हैं।

क्षति

(क) प्राधिकारी ने पर्याप्त विस्तृत विवरण के साथ (याचिकाकर्ता द्वारा संदर्भ ग्रेड के डी बी एम के उत्पादन सहित) घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक हानि के संबंध में मानदण्डों की जानकारी दी है। इसलिये संबंधित ग्रेड के डी बी एम के उत्पादन आंकड़ों को सार्वजनिक करने से संबंधित तर्क स्वीकार्य नहीं है। प्रारम्भिक जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा उजागर किये गये उत्पादन-आंकड़ों के बारे में इच्छुक पार्टियों के पास टिप्पणी करने का अवसर था, लेकिन ऐसा कोई निवेदन नहीं किया गया।

(ख) प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के अधिकतम स्तर पर प्रारम्भिक जांच में उचित बिक्री कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार, बढ़ती हुई मांग के किसी भी प्रभाव को समाप्त किया गया है।

(ग) प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि याचिका के गैर-गोपनीय अंश में याचिकाकर्ता कम्पनियों ने यह अपेक्षा नहीं की गई थी कि वे अपने सदस्यों की ग्रेड वार स्थापित क्षमता का व्यौरा प्रस्तुत करें। चूंकि, जांच के अधीन उत्पाद संदर्भ ग्रेड का डी बी एम है और इस प्रकार, याचिकाकर्ता को सम्पूर्ण रूप से जांच के अधीन उत्पाद का विस्तृत विवरण देना था। इसके साथ-साथ, प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच परिणामों में पर्याप्त विस्तृत विवरण के साथ, याचिकाकर्ता द्वारा क्षमता उपयोग से संबंधित

तथ्यात्मक सूचना का रहस्योद्घाटन किया था, जो कि याचिकाकर्ता की स्थापित क्षमता से सीधे रूप में संबंधित है।

(घ) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता को जांच अवधि के दौरान अपने उत्पादों का लाभप्रद मूल्य नहीं मिल रहा था, जैसा कि प्रारम्भिक जांच परिणामों में विस्तृत विवरण दिया गया है और उन्हें उत्पादन लागत से बहुत कम मूल्यों पर अपना माल बेचना पड़ रहा था जिसके परिणाम स्वरूप, ऐसा हो सकता था कि वह आर्डर के अनुसार पूरी मात्रा में माल सप्लाई न कर सके। इसके साथ-साथ, वस्तुओं की आपूर्ति करने में अक्षमता की वजह से याचिकाकर्ता को नियमों के अन्तर्गत सहायता प्राप्त करने के दावे से विंचित नहीं किया जा सकता।

14. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 29 से 37 में जिस सूचना पर विश्वास किया है, उसका भी खण्डन नहीं किया गया है।

16. यह स्पष्ट किया जाना है कि प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत के बारे में केवल याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेदन पर ही विश्वास नहीं किया है। प्राधिकारी ने स्थान पर ही जांच के लिए लागत लेखाकारों की एक टीम को तैनात किया और घरेलू उद्योग के लिए भारत में डी बी एम के संदर्भ ग्रेड का उचित बिक्री मूल्य निकाला है। चूंकि यह याचिकाकर्ता द्वारा किए गए गोपनीय आंकड़ों पर आधारित है, इस लिए प्राधिकारी इस पर विस्तृत रूप से चर्चा नहीं करते हैं।

18. इच्छुक पार्टियों के तर्कों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई हानि के बारे में प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 27 से 39 की पुष्टि करते हैं।

कार्य कारण संबंध

प्राधिकारी ने 83-92% एम जी ओ वाले डी बी एम के आयातों पर विचार किया है और 92% से ज्यादा एम जी ओ वाले डी बी एम को इसमें शामिल नहीं किया है।

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा संदर्भित ग्रेड के डी बी एम के उत्पादन पर विचार किया है और वह नगण्य नहीं है।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत तैयार की है और इस प्रकार, उत्पात उद्योग में मंदी और/या खानों में श्रमिक समस्याओं जैसे बाहरी कारणों के अगर कोई प्रभाव हों, तो उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया है।

घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 29 से 37 में प्राधिकारी ने जिस सूचना पर विश्वास किया, उसका भी खण्डन नहीं किया गया है।

सभी सम्बन्ध मुद्दों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य से डी बी एम के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कार्य-कारण संबंध के बारे में प्रारम्भिक जांच के पैरा 40 की पुष्टि करते हैं।

भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

(क) डी बी एम के उत्पादकों द्वारा जुलाई, 1996 में बिक्री कीमतों में वृद्धि करना ऐसा कारक है जो कि वर्तमान जांच की परिधि के बाहर है क्योंकि प्राधिकारी ने 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि पर विचार किया। तथापि, अगर जांच अवधि के बाद तथ्यों और परिस्थितियों में वास्तविक रूप से परिवर्तन हुआ है, तब हल्चुक पार्टी समीक्षा निवेदन के साथ प्राधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

(ग) प्राधिकारी ने अपने प्रारम्भिक जांच-परिणामों में 85-92% एम जी ओ वाले डी बी एम पर प्रतिपादन शुल्क लगाने का सुझाव दिया था, न कि सभी प्रकार के डी बी एम पर प्राधिकारी ने संबंधित ग्रेड के डी बी एम के आयातों पर विचार किया है न कि ग्रेड वार आयातों पर। इसके अतिरिक्त, संदर्भ ग्रेड के डी बी एम के लिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन किया गया है।

22. इसे पुनः दोहराया जाता है कि सीमा शुल्क की वर्तमान दर, याचिकाकर्ता द्वारा संदर्भित ग्रेड के डी बी एम की बिक्री कीमत में परिवर्तन और जांच अवधि के बाद हुए अन्य परिवर्तन जांच की परिधि के बाहर हैं। तथापि, उपर्युक्त नियमों के अनुसार, जांच से सम्बन्ध कोई भी पार्टी वर्तमान जांच परिणामों की समीक्षा का प्राधिकारी से अनुरोध कर सकती है।

23. प्रतिपादन शुल्कों का उद्देश्य, जैसा कि प्रारम्भिक जांच परिणामों के पैरा 41 में विस्तृत विवरण दिया गया है, उस पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और उचित प्रतिस्पर्धा को पुनः बहाल करना है और किसी विशेष स्त्रोत से होने वाले आयातों को रोकने का नहीं है।

अन्तिम जांच परिणाम

25. उपर्युक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि :—

- (1) चीनी मूल के संबंधित ग्रेड के डी बी एम का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है ;
- (2) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ;
- (3) घरेलू उद्योग को यह क्षति चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के कारण हुई है।

26. इसलिए, प्राधिकारी प्रारम्भिक जांच-परिणामों के पैरा 47 से 49 की पुष्टि करते हैं और चीन जनवादी गणराज्य मूल के संबंधित ग्रेड के डी बी एम के सभी आयातों पर नीचे बताई गई वरों पर प्रति-पाटन शुल्क लगाने का सुझाव देते हैं :—

नियतिक का नाम	शुल्क की राशि (रु. प्रति मी. टन)
चाइना, मेटल इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स कारपो., चाइना	705.00
सीमा सिसोसिंज जी एम बी एच, जर्मनी	1264.00
चाइना सौगंग इन्टरनेशनल ट्रेड एण्ड इंजी. कारपो., चाइना	1150.00
उपयुक्त नियतिकों से भिन्न	1264.00

27. प्राधिकारी उपर्युक्त बातों के अधधीन 10-6-1996 को अधिसूचित प्रारम्भिक जांच-परिणामों की पुष्टि करते हैं।

दीपक शर्मा, प्राधिकृत अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 1996

FINAL FINDINGS

SUBJECT :—Anti-dumping investigation concerning imports of Dead Burnt Magnesite (DBM) originating in or exported from the People's Republic of China-Final Findings.

7/2/94-ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Inquiry) Rules, 1995, thereof.

PROCEDURE

2. The Procedure described below has been followed :—

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide Notification No. 7/2/94-ADD, dated the 10th June, 1996 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication ;
- (ii) Forwarding a copy of the Preliminary Findings, all known interested parties were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter ;

- (iii) The Authority also forwarded a copy of the Preliminary Findings to the Embassy of the People's Republic of China (referred to as China PR hereinafter) in New Delhi with a request that the exporters and the other interested parties in China PR may be advised to furnish views on the Preliminary Findings.
- (v) In accordance to Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all the known interested parties and comments were sought on the same, which have also been duly considered.

PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner in response to the Preliminary Findings made the following submissions :—

- (a) The petitioner had requested for imposition of Anti-dumping Duty amounting to Rs. 5800/- per MT against which the Authority recommended provisional duty ranging between Rs. 1333/- to 1925/- only.
- (b) The Authority should ensure that the landed price of DBM having MgO content greater than 92% is not less than the landed price of the reference grade DBM. A floor price should be fixed below which Chinese DBM of any quality should not be permitted to be imported into India.
- (c) The reduction in Customs Duty should be considered for recommending definitive Anti-dumping Duty.

VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES :

4. The importers and exporters have expressed their views, and the same are briefly mentioned below :—

(a) On "Like article" :

1. The petitioner has failed to clearly describe the product.
2. The conclusion arrived at by the Authority at para 11 of the preliminary findings about like article is erroneous.
3. DBM is a generic term and has different grades, each having a particular purpose and is not inter-changeable.
4. DBM having 85-89% MgO content is not imported by the members of IRMA.
5. The classification of DBM with reference to MgO content only is erroneous. Other important factors such as Silica content and bulk density should also be considered. In view of this and non-availability of DBM with less than 4% Silica content, the Government of India had earlier permitted imports at concessional duty.

6. DBM produced in India has MgO content between 85-90% with very high impurities. Technological changes in steel and other industries require DBM of over 90% MgO content and very low impurities.
7. DBM having 90-92% MgO content and less than 4% Silica content is not produced in India. The product imported from China PR and that produced in India are not like articles. Anti-dumping Duty should not be imposed on DBM having MgO content 90-92%.

(b) On Normal Value

1. Normal Value of DBM with 90% MgO content was RMB 426.67 per MT (or US \$ 40.64 per MT) on the basis of domestic prices prevailing in China PR, and the same corresponds to FOBT (Free on Board Transfer) price of exports to India and the same is evidenced from an invoice raised in the China PR.
2. Fax message from Mineral Resources Company Ltd. shows that Normal Value in China during 1993-94 was US \$ 81 per MT as against Export Price to India ranging between US \$ 79-88.
3. Export Price from China PR to Egypt (which is not producing DBM) were also at the same price levels or lower compared to Export Price to India.
4. The cost of production can not be constructed for China PR in any other surrogate Country due to the following reasons :
 - (i) India cannot be considered as a reference country for working out Normal Value because of deficiencies in the nature of Magnesite deposit, quantum of overburden to be removed, closeness to surface, scale of production and market, and other inherent cost aspects in India and China. The disadvantage to India as compared to China PR works out to 250-300%.
 - (ii) The manufacturing process in India and China are different.
 - (iii) The overburden ratio in China PR is approx. 1 : 2.5 as against 1 : 8/9 in India.
 - (iv) Per capita production in China PR is much higher (212.5 MT), compared to India (12 MT).

C. On Export Price :

It is incorrect to work out FOB Export Price from CIF Export Price by deducting ocean freight as the basis and principles of the two are different. Further it is grossly incorrect to work out ex-works Export Price from China PR.

d. On injury :

The major issues with regard to the issue of material injury to the Domestic Industry are as under :

1. The petitioner has not disclosed its production of reference grade DBM. It is difficult to comment on the injury suffered by the petitioner unless the production figures are made known.
2. The petitioner has failed to provide grade-wise installed capacity of its members.
3. Due to technological changes in the steel industry, demand for DBM having MgO content less than 90% is reducing.

e. On Casual Link :

There is no casual link between imports from China PR and injury to the Domestic industry for the following reasons:

1. DBM being imported from China PR has MgO content 90% or above and therefore, cannot affect the Domestic Industry producing DBM having 85—89½ MgO content.
2. Production of DBM having 90-92% MgO content in the Country is negligible.
3. Reduction in production for the Domestic industry was due to recession in the Steel industry and labour trouble in the mines.

f. On Other issues:

1. Since DBM having MgO content of 90% and above is not available in the country, the user industry would be adversely affected with the imposition of Anti-dumping Duty.
2. Levy of Anti-dumping Duty is not proper in view of the liberalisation policy of the Government.
3. DBM is being imported to cover the shortfalls in indigenous supplies as the indigenous sources have not been able to supply the ordered quantities.
4. All the Indian manufacturers have increased prices by about Rs. 1,000 per MT in the month of July, 96
5. Although the product covered in the investigation relates to DBM having MgO content ranging between 85-92%, Govt. of India levied Anti-dumping Duty on all types of DBM, which was amended prospectively to cover only DBM with MgO content ranging between 85-92%

EXAMINATION BY AUTHORITY

5. The submissions made by the petitioner and importers have been examined and considered by the Authority while arriving at these findings and, wherever appropriate, have been dealt hereinafter.

6. The Authority confirms, in the absence of any direct response from the exporters from China PR in the form and manner prescribed, having made these findings on the basis of the facts available to it as per rule 6(8) supra.

LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY

7. Under Rule 2(d) "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

8. The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in para 10 of the preliminary findings. Submissions have been made by the exporters/importers that the goods produced by the domestic industry in India are not like articles as various important factors such as silica content, bulk density etc. have not been taken into consideration by the Authority while determining the scope of "like article" for the purpose of this investigation.

9. The Authority notes that the articles produced by the domestic industry have the characteristics closely resembling those of article under investigation and therefore the criteria prescribed in the definition under Rule 2(d) are adequately satisfied. It is not necessary that all characteristics, features or properties of the product under consideration should be matched particularly in view of the fact that the articles imported from China PR have substituted the articles produced by the domestic industry both commercially and technically.

10. The Authority therefore confirms paras 9—13 of the Preliminary Findings relating to the definition of like articles and confirms that the reference grade DBM exported to India originating in or exported from China PR and produced by the Domestic Industry are like articles within the meaning of the rules supra

NORMAL VALUE

11. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means :

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) ; or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) ; or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits as

determined in accordance with the rules made under sub-section (6).

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

12. The Authority had sent exporters questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in terms of the section cited above. However, the Authority notes that none of the exporters from China PR has co-operated with the Authority and no information has been furnished in the form and manner prescribed. None of the exporters from China has also offered itself for verification by the Authority.

13. M/s. Sima Resources GmbH, an exporter from Germany (referred to as Sima Resources hereinafter) has submitted relevant information to the Authority in the prescribed form and manner. Sima Resources has merely transhipped the goods originating from China PR and therefore the Normal Value has to be determined with reference to the country of origin i.e., China PR in forms of proviso to sub-section 1(c) of section 9A. It has submitted a copy of a price contract (in Chinese language) through its authorised agent M/s. Marcus Marketing Private Ltd., Calcutta. The Authority observes that the invoice produced by the said exporter is totally incomprehensible and does not provide any indication whatsoever to enable the Authority to arrive at a comparable price in the ordinary course of trade in terms of clause (c)(i). Moreover, in view of the particular market situation in China PR its being a non-market economy and in view of the non-availability of relevant information, the Authority has no option but to resort to clause (c)(ii) of section 9A for the determination of the Normal Value.

14. Under clause (c)(ii) of section 9A(i), the Authority has the clear option of resorting either to sub-clause (i)(a) or (i)(b). Sima Resources has supplied a copy of their proforma invoice for supply of DBM to Egypt. There is no other information or evidence made available to the Authority for determination of normal value under sub-clause (i)(a). The Authority considers that the solitary proforma invoice can neither be considered as comparable nor representative price of the like article. Under the circumstances, the Authority considers it appropriate to determine the normal value in terms of sub-clause (i)(b) on the basis of cost of production with appropriate adjustments.

2782 GI/96-2

15. The Authority conducted cost investigation on the premises of the two of the petitioner companies after preliminary determination and based on facts collected, normal value has been reworked out. The Normal Value has been considered at US \$ 163 per MT. The Normal Value has been reduced compared to Preliminary Findings as the cost of production constructed by the Authority for China PR has come down after full verification of the data furnished by the petitioner.

16. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 16 to 19 of the Preliminary Findings with regard to Normal Value of reference grade DBM from China PR.

EXPORT PRICE

17. Sima Resources filed response in the form and manner prescribed by the Authority. The Authority has therefore, worked out ex-works Export Price for Sima Resources on the basis of details furnished by it. Since the exporter has furnished as purchase prices ex-Bayuan, the same have been treated as ex-works in the absence of further information with regard to the expenses upto the port.

18. The exporters other than Sima Resources have failed to furnish ex-works Export Price and in the absence of any co-operation from the exporters, the Authority notes that ex-works Export Prices have to be worked out on the basis of the difference in the FOB and CIF quotations, as furnished by the one of the importers. M/s. Burn Standard Company, in accordance with the principle of best available information. The Authority has treated FOB Export Price as ex-works Export Price in the absence of any evidence on the inland freight in China PR.

19. Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms the paras 20 to 24 of the Preliminary Findings with regard to Export Price of reference grade DBM from China PR.

COMPARISON

20. The Authority confirms the paras 25 to 26 of the Preliminary Findings with regard to comparison and Export Price and Normal Value.

INJURY

21. The Authority had disclosed, in sufficient detail, parameters (including production of reference grade DBM by the petitioner) relating to the material injury suffered by the Domestic Industry. The contention with regard to disclosure of reference grade DBM production figures is, therefore, not acceptable. The interested parties had the opportunity to comment on the production figures disclosed by the Authority in the Preliminary Findings, but no such submissions were made.

22. The Authority has worked out the fair selling price in the Preliminary Findings at an optimum level of capacity utilisations, thus nullifying effects of declining demands, if any.

23. The Authority notes that the petitioner Companies were not required to furnish grade wise installed capacity of its members in the non-confidential version of the petition, as the product under investigation is the reference grade DBM and therefore, the petitioner was required to furnish details for the product under investigation as a whole. Moreover, the Authority had, in the Preliminary Findings, disclosed, in sufficient detail, factual information relating to capacity utilisation by the petitioner, which is directly related to installed capacity of the petitioner.

24. The Authority notes that the petitioners were not getting remunerative prices for their produce during the period of investigation, as detailed in the Preliminary Findings, and were forced to sell at prices much lower than the cost of production, which could have resulted in its inability to supply the ordered quantities. Moreover, inability to supply goods does not debar the petitioner from claiming relief under the rules.

25. The information relied upon by the Authority in paras 29 to 37 of Preliminary Findings with regard to the injury to the Domestic Industry has also not been controverted.

26. It is clarified that the Authority has not merely relied upon the submission of the petitioner regarding fair selling price. The Authority deputed a team consisting of Cost Accountants for on-the-spot investigation and has worked out, in detail, the fair selling price of reference grade DBM in India for the domestic industry. Since the same is based on confidential data furnished by the petitioner, the Authority refrains from discussing the details.

27. After considering the arguments raised by the interested parties the Authority confirms paras 27 to 39 of the Preliminary Findings relating to injury to the domestic industry.

CAUSAL LINE

28. The Authority has considered imports of DBM having 85-92% MgO content and has excluded DBM having above 92% MgO content.

29. The Authority has considered production of reference grade DBM by the petitioner and the same is not negligible.

30. The Authority has worked out Fair Selling Price of the Domestic Industry and therefore, the effects of extraneous factors like recession in the Steel Industry and/or labour trouble in the mines, if any, are nullified.

31. The information relied upon by the Authority in paras 29 to 37 of Preliminary Findings with regard to the injury to the Domestic Industry has also not been controverted.

32. The Authority after considering all related issues, confirms para 40 of the Preliminary Findings with regard to causal link between dumping of DBM from China PR and injury to the domestic industry.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

33. The increase in selling prices by DBM producers in the month of July 1996 is a factor beyond the scope of present investigation, as the period of investigation considered by the Authority is 1-4-93 to 31-3-94. However, in case the facts and circumstances have materially changed after the period of investigation, an interested party can approach the Authority with a review request.

34. The Authority had recommended in its Preliminary Findings imposition of anti dumping duty on DBM having MgO content between 85-92% and not on all types of DBM. The Authority has considered imports of reference grade DBM and not grade-wise imports. Further more injury to the domestic industry has been assessed for the reference grade DBM.

35. It is reiterated that the current rate of customs duty change in selling price of reference grade DBM by petitioner and other changes consequent to the investigation period are outside the scope of this investigation. However, any party to the investigation may request the Authority for review of the present findings, in accordance with the Rules supra.

36. The purpose of anti-dumping duties as detailed in paras 41 to of the Preliminary Findings, is to remove dumping which has caused injury to the domestic industry and to re-establish a situation of fair competition and not to restrain imports from any specific source.

FINAL FINDINGS

37. The Authority has, after considering the foregoing come to the conclusion that :

- (i) the reference grade DBM of Chinese origin has been exported to India below its normal value;

(ii) the domestic industry has suffered material injury;

(iii) injury has been caused to the Domestic Industry by imports from China PR.

38. The Authority therefore, confirms paras 47 to 49 of the Preliminary Findings and recommends the imposition of final Anti-dumping Duties on all imports of reference grade DBM originating in or exported from China PR at the rates specified below :

Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
China Metal Imports and Exports Corpn., China	705
Sima Resources Gmbh, Germany	1264
China Soungang International Trade and Engg. Corpn., China	1150
Exporters Other than Above	1264

39. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings notified on 10-6-1996.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

